कड़ी मेहनत

हे आलसी, चींटी के पास जा; उसके चाल चलन पर ध्यान दे, और बुद्धिमान हो; जिस का न कोई अगुवा, न अध्यक्ष, और न हाकिम है, वह धूपकाल में अपके भोजन की व्यवस्था करती, और कटनी के समय अपक्की भोजनवस्तु बटोरती है। कब तक सोओगे, ओ आलसी? तू अपनी नींद से कब जागेगा? थोड़ी सी नींद, एक और झपकी, एक और झपकी, एक और हाथ पर हाथ रखे सो जाना; तब तेरा कंगालपन यात्री के समान और तेरी घटी हयियारबन्द के समान आ पड़ेगी। नीतिवचन 6:6-11

पूरे परिश्रम के साथ अपना दिल रखो; इसके लिए जीवन के मुद्दे हैं। नीतिवचन 4:23

जो ढीले हाथ से काम करता है वह निर्धन हो जाता है, परन्तु परिश्रमी के हाथ धनी हो जाता है। जैसे दाँतों को सिरका, और आँखों को धुआँ, वैसे ही आलसी उनके लिये है जो उसे भेजते हैं। नीतिवचन 10:4, 26

परिश्रमी के हाथ में प्रभुता होती है, परन्तु आलसी के हाथ में कर लगता है। आलसी मनुष्य उसे शिकार में नहीं भुनाता, परन्तु परिश्रमी का धन अनमोल होता है। नीतिवचन 12:24, 27

आलसी का प्राण लालसा करता है, और उसके पास कुछ नहीं, परन्तु कामकाजी हृष्ट पुष्ट हो जाते हैं। धन व्यर्य से कमाया जाता है, परन्तु जो परिश्र्म से बटोरता है वह बढ़ता है। नीतिवचन 13:4, 11

सब परिश्रम से लाभ होता है, परन्तु मुंह की बातें केवल कंगाल ही की ओर जाती हैं। नीतिवचन 14:23

आलसी का मार्ग कांटों का बाड़ा होता है, परन्तु धर्मी का मार्ग सीधा होता है। नीतिवचन 15:19

वह भी जो अपने काम में आलस करता है, उसका भाई है जो बहुत बड़ा नुक़सान करता है। नीतिवचन 18:9

आलस्य गहरी नींद में डाल देता है; और आलसी जीव भूख से तड़पेगा। आलसी अपना हाथ छाती से लगाकर रखता है, और उसे फिर मुंह तक नहीं लगाता। नीतिवचन 19:15, 24

आलसी जाड़े के कारण हल जोतने न पाएगा; इस कारण वह कटनी के समय भीख मांगेगा, और उसके पास कुछ न होगा। नींद से प्यार मत करो, ऐसा न हो कि तुम कंगाल हो जाओ; अपनी आंखें खोल, और तू रोटी से तृप्त होगा। नीतिवचन 20:4, 13

परिश्रमी के विचार केवल अतिशयता की ओर प्रवृत्त होते हैं; परन्तु उतावली करनेवाले हर एक की केवल चाह ही होती है। आलसी की अभिलाषा उसे मार डालती है; क्योंकि उसके हाथ परिश्रम करने से इन्कार करते हैं। वह दिन भर लालसा करता रहता है, परन्तु धर्मी देता है, और कुछ न छोड़ता। नीतिवचन 21:5, 25-26

आलसी कहता है, बाहर सिंह है, मैं चौकोंमें मारा जाऊंगा। क्या तू ऐसा मनुष्य देखता है जो अपने व्यवसाय में परिश्रमी है? वह राजाओं के सामने खड़ा होगा; वह नीच मनुष्यों के साम्हने खड़ा न हो। नीतिवचन 22:13, 29

मैं आलसी के खेत के पास, और निर्बुद्धि मनुष्य की दाख की बारी के पास से होकर गया; और क्या देखता हूं, कि वह सब कांटोंसे भर गया है, और बिच्छू पौधे उसके ऊपर छा गए हैं, और उसकी पत्थर की शहरपनाह टूट गई है। नीतिवचन 24:30-31

जैसे किवाड़ अपक्की चूल पर घूमता है, वैसे ही आलसी अपक्की खाट पर फिरता है। नीतिवचन 26:14

क्योंकि जब हम तुम्हारे पास थे, तब भी हम तुम्हें यह आज्ञा देते थे, कि यदि कोई काम न करे, तो खाने भी न पाए।
2 थिस्सलुनीकियों 3:10

जो कुछ तुझे मिले उसे अपनी शक्ति भर करना; क्योंकि अधोलोक में, जहां तू जाने वाला है, न काम न युक्ति न ज्ञान और न बुद्धि है। सभोपदेशक 9:10

बहुत आलस्य से भवन जीर्ण-शीर्ण हो जाता है; और हाथों की सुस्ती से घर टपकता है। सभोपदेशक 10:18

चोरी करनेवाला फिर चोरी न करे, पर भले काम करने में अपके हाथोंसे परिश्र्म करे, इसलिये कि जिसको प्रयोजन हो उसे देने के लिथे उसके पास कुछ हो। इफिसियों 4:28

न तो परिश्रम से, और न पशुपालन से, जो परमप्रधान ने ठहराया है, घृणा करो। सभोपदेशक 7:15

आलसी मनुष्य की तुलना मैले पत्थर से की गई है, और सब लोग ताली बजाकर उसकी नामधराई करेंगे। आलसी मनुष्य की तुलना घूरे के मैल से की गई है: जो कोई उसे उठाएगा वह अपना हाथ हिलाएगा। सभोपदेशक 22:1-2

जब तक कोई यहोवा का भय मानने में यत्न से न लगा रहे, तब तक उसका घराना नाश हो जाएगा। सभोपदेशक 27:3

अपने पुत्र को ताड़ना दे, और उस से परिश्र्म करवा, कहीं ऐसा न हो कि उसका महापाप तेरी दृष्टि में ठोकर का कारण बने। सभोपदेशक 30:13

उसे श्रम करने के लिए भेजो, कि वह आलसी न हो; क्योंकि आलस्य बहुत बुराई सिखाता है। सभोपदेशक 33:27